Regarding conservation of Forts in Palghar

**डॉ. हेमंत विष्णु सवरा (पालघर) :** महादेय, हमारी सरकार अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए छोटे-बड़े स्थानों पर स्थित विरासत स्थलों और स्मारकों के समग्र विकास के लिए एक व्यवस्थित योजना पर काम कर रही है । पालघर में ऐसे अनेक किले हैं, जिनका संरक्षण और बेहतर सुविधा विकास करने की बहुत जरूरत है । पालघर में वसई किला, अर्नाला किला, शिरगांव किला, अशेरी किला, केलवा गढ़, भूपतगढ़, कोहोज किला, टकमक किला, तांदुलवाडी किला, तारापुर किला, भूपतगढ़ महालक्ष्मी गड, गंभीर गड, कालदुर्ग, वज्रगड, डहाणू किला, मांडवी किला, उतवड गड और अन्य किले हैं । महाराष्ट्र के पालघर जिले में कई किले संरक्षित हैं, जो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित हैं । ये किले हमारे बीते दिनों की संस्कृति, कला, वास्तुकला को दर्शाते हैं । देश की विविध स्मारकीय संपदा में संरचनात्मक स्मारकों के अलावा कई महत्वपूर्ण स्मारक भी शामिल हैं ।

माननीय सभापति **:** आप अपनी मांग रखिये ।

**डॉ. हेमंत विष्णु सवरा (पालघर) :** इन सभी किलों में सुरक्षा की स्थिति और रख-रखाव में सुधार करने की आवश्यकता है । मैं मांग करता हूं कि इन सभी किलों में पीने के पानी, शौचालय और कैफेटेरिया की उचित व्यवस्था की जाए, जिससे पर्यटक बढ़ सके । धन्यवाद ।